Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ
कल की ओर...

फिट यूथ फिट इंडिया

Nehru Yuva Sandesh

23th National Youth Festival, 12 – 16 January, 2020, Lucknow, Uttar Pradesh

Vol. 23/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Thursday, 16 January, 2020

23वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का समापन आज–
राज्यपाल करेंगी युवाओं को संबोधित

लखनऊ में पांच दिन से चल रहे 23वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का समापन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के विवेकानंद सभागार में गुरुवार को होगा। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) किरेन रीजीजू की अध्यक्षता में आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, युवा कल्याण एवं खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेंद्र तिवारी की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव, भारत सरकार एवं नेहरू युवा केंद्र संगठन के महानिदेशक असित सिंह, कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल अरुण कुमार सिंह, नेहरू युवा केंद्र संगठन के शासी बोर्ड के उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, एस. विष्णुवर्धन रेड्डी, शासी बोर्ड की सदस्य माधुरी अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद सेन, शतरुद्र प्रताप सिंह मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी, प्रमुख सचिव युवा कल्याण एवं प्रादेशिक दल डिंपल वर्मा, आयुक्त लखनऊ मंडल मुकेश मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहेंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल युवाओं को संबोधित करेंगी। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री किरेन रीजीजू का उद्बोधन होगा। युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार की मेजबानी में आयोजित इस उत्सव में नेहरू युवा केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं युवा कल्याण उत्तर प्रदेश प्रमुख सहभागी हैं। देश के समस्त राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों से 7000 से अधिक युवाओं ने उत्सव में शिरकत की।

कार्यक्रम में राज्यपाल अपने कर कमलों से विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम के विजेता युवाओं को पुरस्कृत करेंगी। विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एंव तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः 12000 रुपये, 10000 रुपये, 8000 रुपये का पारितोषिक प्रदान किया जायेगा। यंग आर्टिस्ट कैंप में प्रतिदिन तीन पुरस्कार ओपन काम्पटीशन में प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेता को क्रमशः दो हजार, डेढ़ हजार एवं एक हजार का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

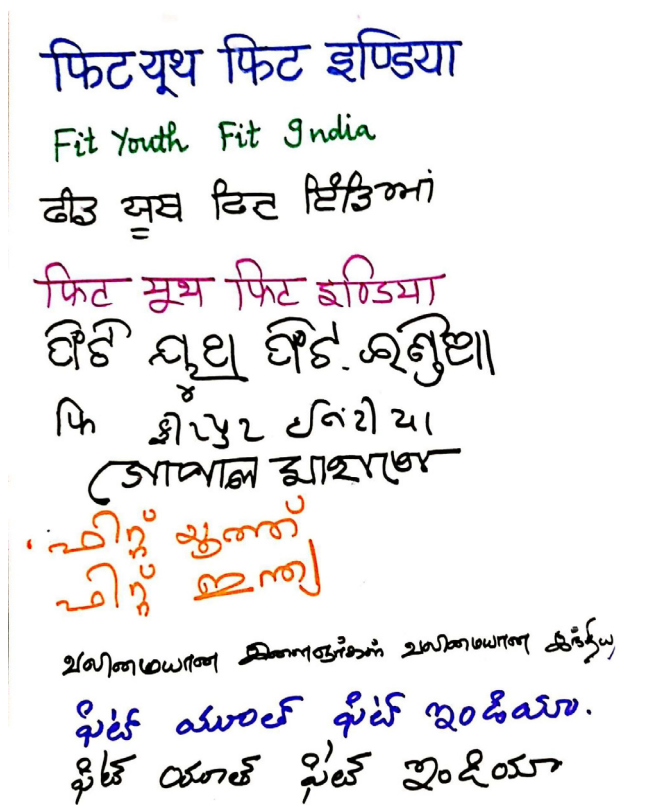

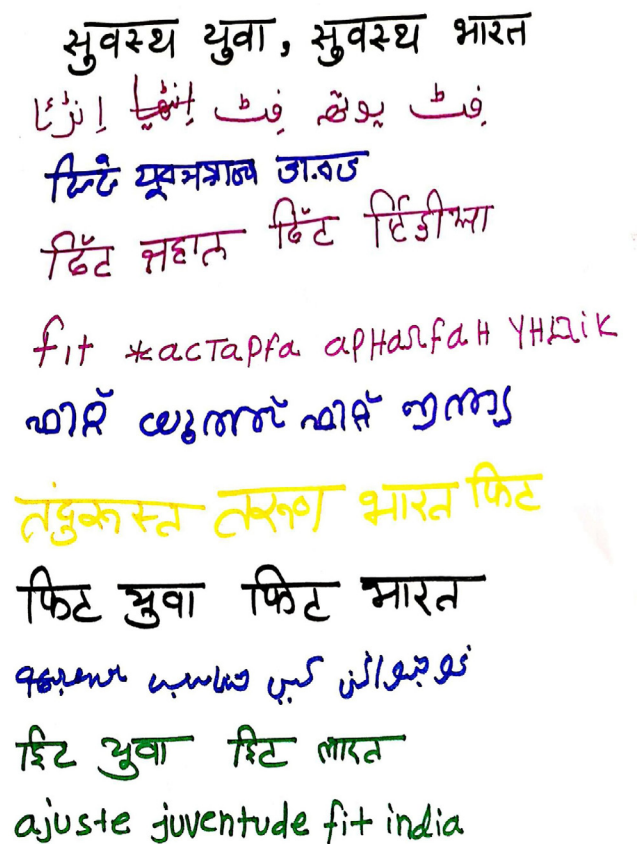

फिर मिलेंगे बंधु

कला और संस्कृति के अतुलनीय समागम 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में देश भर से आए हुए युवाओं ने सृजन, संयम, सुविचार, संस्कृति एवं शिल्प के विभिन्न रंगों को अभिव्यक्ति देकर राष्ट्रीय युवा उत्सव को यादगार बना दिया। देश के युवाओं ने लखनऊ की सांस्कृतिक आबोहवा में अपने–अपने क्षेत्र की कला एवं संस्कृति की खुशबू को एकमेव कर उत्सव के शुभंकर "बंधु" की भावनाओं को सार्थक कर दिया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में देश की धाराओं और उपधाराओं के इतने रंग मुखरित हुए कि आसमान अनेकों इंद्रधनुषो से भर गया। युवा उत्सव में शामिल युवा बंधुत्व की भावनाओं को आत्मसात करते हुए अपने–अपने क्षेत्रों में संस्कृति, एकता, अखंडता, एक भारत श्रेष्ठ भारत सहित फिट यूथ फिट इंडिया के झंडावरदार बनेंगे।

जैसे कि उत्सव के प्रारंभ में उम्मीद की गई थी कि कला रोमांच एवं उत्साह का अभूतपूर्व समागम होने वाला है। आज समापन अवसर पर यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि युवाओं ने अपना श्रेष्ठतम देकर 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव को उम्मीद से भी अधिक सफल बनाया है।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि "लखनऊ में होने वाला यह युवा उत्सव देश के 65 करोड़ युवाओं की प्रेरणा का केन्द्र बिंदु बनेगा।"

युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री किरेन रीजीजू ने शुभारंभ समारोह में कहा था कि "दुनिया के सबसे बड़ी युवा आबादी वाले हमारे देश में युवाओं की असली ताकत अभी उभरी नहीं है। भारत सरकार इसके लिए काम कर रही है।" युवा उत्सव के पांच दिन यह उद्घोष कर रहे हैं कि हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

युवा उत्सव में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हजारों युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुभारंभ समारोह के अवसर पर दिया गया वीडियो संदेश युवाओं पर उनके भरोसे की ओर इंगित करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं – "आज का युवा राष्ट्र निर्माण की भावना से भरा हुआ है। खुद पर विश्वास कर आगे बढ़ रहा है। युवाओं के दम पर ही भारत दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है।"

यह दायित्व युवाओं का है कि वह उनसे की गई अपेक्षाओं पर खरे उतरें। इन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए तय किया शुभंकर 'बंधु' प्रेम, स्नेह, समानता, आत्मीयता, मनुष्यता का संदेश देता है जिसे जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाने के लिए युवा उत्सव सभी को प्रेरित करता रहेगा।

'बंधु' सभी को साथ लेकर, सभी का विकास कर, सभी के विश्वास को मजबूत करने का मंत्र है। राष्ट्रीय युवा उत्सव 2020 इस मायने में देश के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Thursday, 16 January, 2020

शास्त्रीय वादन प्रतियोगिता

युवा कलाकारों ने बिखेरीं मधुर तरंगें

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भारत देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए प्रतिभागी कलाकारों द्वारा राज्य मानवाधिकार भवन के सभागार में सुरम्य तानों को छेड़कर लोगों का मन मोह लिया। इसमें मृदंगम, गिटार, तबला, सितार, बाँसुरी, हारमोनियम एवं वीणा वादन के माध्यम से युवाओं द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी गईं।

मृदंगम दक्षिण भारत का सबसे लोकप्रिय शास्त्रीय वाद्ययंत्र है। इस वाद्ययंत्र का उपयोग गायन और नृत्य में संगत के रूप में उपयोग होता है। कर्नाटक संगीत की प्रस्तुति में यह वाद्ययंत्र रिद्म के लिए उपयोग में लिया जाता है। शास्त्रीय संगीत में मृदंगम बजाते समय दाएं तथा बाएं हाथ से अलग–अलग प्रकार की ध्वनि निकलती है, जिसका श्रेष्ठ संयोजन प्रस्तुति को खास बनाता है।

मृदंगम प्रतियोगिता का आयोजन 15 जनवरी, 2020 को राज्य मानवाधिकार भवन, लखनऊ में किया गया। जिसमें शंकर नारंग हरियाणा, वैष्ण दवे केरल, झटक बहरा उड़ीसा, डी. चन्द्रवर्धन आन्ध्र प्रदेश, मादी सिल्वादास पुडुचेरी, आसाराम सुरेश सेबल महाराष्ट्र, विमर्श मालवीय उत्तर प्रदेश, कमल कुमावत राजस्थान एवं वर्चस वी. कर्नाटक से आए युवा कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। निर्णायकों में डा. ऋषितोष कुमार, श्री मदन मोहन उपाध्याय एवं सुश्री रंजना सरकार सम्मिलित थे।

दुनिया में हर जगह लोकप्रिय **गिटार** वादन प्रतियोगिता का आयोजन भी राष्ट्रीय युवा उत्सव में किया गया। इस प्रतियोगिता में युवा कलाकारों राजेन्द्र कुमार कर्नाटक, सोहिल परिहार पंजाब, डी. मनिकांत आन्ध्र प्रदेश, कालूचरन उड़ीसा, इन्द्रपाल सिंह राजस्थान, मनोज कुमार सुनार उत्तराखंड, भारत भूषण सिंह मणिपुर, तुषार हरियाणा, विक्रम त्रिपुरा, वी. धनंजय महाराष्ट्र, अकमश केरल एवं विगनेश तमिलनाडु ने भाग लिया।

नोडल अधिकारी विक्रम सिंह गिल, अतुल निकम, उप नोडल अधिकारी, सभागार इंचार्ज यशवंत मानखेडकर, ध्रुव डोगरा और प्रदीप तिवारी के निर्देशन में कार्यक्रम का संयोजन किया गया।

तबला लोकप्रिय वाद्य है जो प्रायः हर प्रकार के गायकी में प्रयोग किया जाता है। राष्ट्रीय युवा उत्सव में 20 प्रदेशों उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, पुडुचेरी, उड़ीसा, गोवा, पंजाब, आन्ध्र प्रदेश, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, झारखण्ड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, तमिनलनाडु एवं बिहार के युवाओं ने भाग लिया। निर्णायक मंडल में श्री जी. इलनगोवन, राजकिशोर दलवेरे, मोहन लाल कुँवर रहे।

सितार अत्यंत मधुर तंतु वाद्य है जो शास्त्रीय विधा एवं सुगम संगीत दोनों को समद्ध करता है। युवा उत्सव के दौरान 14 राज्यों उड़ीसा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तराखण्ड, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, पंजाब, राजस्थान एवं बिहार के युवाओं ने सितार के तार छेड़े। निर्णायक मंडल में समरजीत मुखर्जी, विनय रथ एवं श्री हेमसिंह शामिल थे।

बाँसुरी अत्यंत प्राचीन वाद्य है जिसकी मधुर स्वर लहरियां लोगों को सहज ही झूमने पर मजबूर करे देतीं है। युवा उत्सव के दौरान 14 राज्यों उड़ीसा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तराखण्ड, गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, केरल, बिहार एवं सिक्किम के युवाओं ने बाँसुरी वादन प्रतियोगिता में भाग लिया। निर्णायक मंडलं में डा. टी. वी. मणिकानन, समरजीत मुखर्जी, अर्जित राय चौधरी शामिल थे।

हारमोनियम संगीत में मुख्यतः संगत के लिए उपयोग किये जाने वाला लोकप्रिय वाद्य है। युवा उत्सव में 16 राज्यों उड़ीसा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तराखण्ड, गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, केरल, बिहार, आन्ध्र प्रदेश एवं हरियाणा के युवाओं ने हारमोनियम वादन में अपनी प्रतिभा दिखाई।

वीणा पौराणिक काल से लोकप्रिय तंतु वाद्य है जिसकी स्वर लहरियां दिव्य वातावरण निर्मित करती हैं। युवा उत्सव के दौरान अपेक्षाकृत कम केवल चार राज्यों केरल, कर्नाटक, राजस्थान एवं आन्ध्र प्रदेश के युवाओं ने वीणा वादन प्रतियोगिता में भाग लिया।

फिट यूथ फिट इंडिया

- प्रथम पुष्टिकर उत्तम भोजन से शरीर को बलिष्ठ करना होगा, तभी तो मन का बल बढ़ेगा। मन तो शरीर का ही सूक्ष्म अंश है।
- हम जिन दुःखों को भोग रहे हैं, उनका अधिकांश हमारे खाये हुए आहार से ही प्रसूत होता है। अधिक मात्रा में तथा दुष्पाच्य भोजन के उपरान्त हम देखते हैं कि मन को वश में रखना कितना कठिन हो जाता है।
- भोजन ऐसा रहे कि परिमाण में कम, पर पुष्टिकारक हो। पेट को ढेर सारे भात से ठूँस देना ही आलस्य का मूल है।
- युक्ताहार का अर्थ है सादा भोजन, जिसमें बहुत अधिक मसाले न हों।
- बहुत चर्बी और तेल से पका हुआ भोजन अच्छा नहीं। पूरी से रोटी अच्छी होती है। पूरी रोगियों का खाना है। ताजा शाक अधिक मात्रा में खाना चाहिए और मिठाई कम।
- खूब भूखे होने पर भी कचौड़ी–जलेबी को फेंककर एक पैसे की लाई मोल लेकर खाओ। किफ़ायत भी होगी और कुछ खाया, ऐसा भी होगा। भात, दाल, रोटी, मछली तरकारी और दूध यथेष्ट भोजन है।
- हमारे देश में जिनके पास दो पैसा है, वे अपने बाल–बच्चों को पूरी–मिठाई खिलायेंगे ही! भात–रोटी खिलाना उनके लिए अपमान है! इससे बाल–बच्चे आलसी, निर्बुद्धि हो जाते हैं तथा उनका पेट निकल आता है और शकल सचमुच जानवर जैसी हो जाती है।
- अगर स्वाद की इन्द्रिय को ढ़ील दी, तो सभी इन्द्रियाँ बेलगाम दौडेंगी।

– स्वामी विवेकानन्द द्वारा फिट रहने के लिए दिए गए मूल मंत्र

शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता

भरतनाट्यम

दक्षिण भारत की यह शास्त्रीय नृत्य शैली भरत मुनि के नाट्य शास्त्र पर आधारित है। इसे सबसे प्राचीन नृत्य माना जाता है। इस नृत्य को तमिलनाडु में बीसवीं सदी के शुरू में कृष्ण अरूयर और रुकमणी देवी के प्रयासों से पुनः स्थापित किया गया। भरत नाट्यम के दो भाग होते हैं–पहला नृत्य और दूसरा अभिनय। रस, भाव, काल्पनिक अभिव्यक्ति नृत्य में देखी जा सकती हैं। नृत्य के माध्यम से कलाकार कथा प्रस्तुत करता है।

23वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ के मरकरी हॉल में भरतनाट्यम की प्रतियोगिताएं हुई। प्रतियोगिता में 16 राज्यों के प्रतिनिधिनियों ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियां दीं। गुजरात से किरानी चन्दले, राजस्थान से अथरा नारायण, उत्तर प्रदेश से स्मृति यादव, पुडुचेरी से कृष्णनपली वी., पंजाब से रंजीत शर्मा, पं. बंगाल से मेहउली देवनाथ, गोवा से निकी प्रदीप, कर्नाटक से हमशालेखा के. एल., बिहार से प्रीति रानी, तमिनलाडु से एन. मुत्थू, केरल से अजयराज सी.टी., उत्तराखण्ड से अनुष्का कुमार, आन्ध्र प्रदेश से के. के. त्रिपुरा निखित, महाराष्ट्र से अथर्व चौधरी ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी बी.एस.गिल, ऑडिटोरियम इंचार्ज महेन्द्र सिंह सिसौदिया, सहायक इंचार्ज जसलीन कौर एवं वीरेन्द्र सिंह एवं दिनेश त्रिपाठी के सहयोग से किया गया।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ कल की ओर...

फिट यूथ फिट इंडिया

Vol. 23/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Thursday, 16 January, 2020

सुविचार

मणिपुर से निकला नशामुक्ति का रास्ता

विवेकानन्द हॉल में युवाओं ने स्पेस से लेकर स्वंय के खान पान और अनुशासन तक के गुर सीखे। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से महोत्सव में आए हजारों युवाओं ने 'सुविचार एवं राष्ट्रीय युवा समागम' सत्र में प्रतिभाग किया। इस सत्र में डॉ आर के विश्वजीत सिंह ने नशा विरोधी अभियान को लेकर अपना वक्तव्य रखा और युवाओं को जागरुक किया। इसी के साथ इसरो वैज्ञानिक ऋतु करिधाल ने स्पेस साइंस और ट्विंकल कंसल ने युवाओं को स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरुक किया।

डॉ आर के विश्वजीत सिंह ने युवाओं को नशा विरोधी अभियान को लेकर जागरुक करते हुए बताया कि उन्होंने ड्रग एडिक्ट हो चुके युवाओं को बॉडी बिल्डिंग के गुर सिखाए। इसी के साथ अभी तक इस अभियान के तहत 114 जिम मणिपुर में खोले जा चुके हैं। डॉ विश्वजीत ने बताया कि मणिपुर के लोग काफी शराब पीते थे इसे रोकने के लिए भी उन्होंने काम करना शुरु किया जो रात में जाकर लोगों को जागरुक करते हैं। मणिपुर में युवा नशे से दूरी बना रहे हैं।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सुप्रसिद्ध इसरो वैज्ञानिक ऋतु करिधाल ने युवाओं को बताया कि वह किस तरह स्पेस साइंस की दुनिया में प्रयास कर मानव जीवन को सुविधाएं दे सकते हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि जीपीएस के आने के बाद मानव जीवन बहुत आसान हो गया है। ऋतु करिधाल ने बताया कि 1975 में पहले सेटेलाइट आर्यभट्ट के लांच होने के बाद से ही भारत स्पेस साइंस में निरंतर नए कीर्तिमान रच रहा है।

कार्यक्रम के तीसरे सत्र में ट्विंकल कंसल ने युवाओं को हेल्थ के प्रति जागरुक किया। उन्होंने कहा कि आज आपके पास सारी जानकारी का भंडार गूगल है। लेकिन यही आपके लिए अभिशाप बन रहा है। आज आप खुद की बात नहीं सुन रहे और सभी चीजों के लिए गूगल पर निर्भर हैं। अगर आपको खाना भी खाना होता है या यहां तक दवाई के लिए भी आप खुद ही गूगल से जवाब ले लेते हो। यह भी जानने का प्रयास नहीं करते की इससे क्या नुकसान होगा। इसलिए आप सभी अपने मन की बातों को सुनो। युवाओं को आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि आप बम का गोला खुद ही अपने हाथ में लेकर घूम रहे हो जिस पर एक नोटिफिकेशन आते ही आप सारा कुछ छोड़कर यह खोजने में व्यस्त हो जाते हो कि हुआ क्या है? सोने से एक घंटा पहले, खाना खाने के वक्त और किसी दूसरे से बात करते वक्त फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

युवाओं को समझाते हुए ट्विंकल ने यह भी बताया कि आजकल युवा कई तरह की बीमारियों से ग्रसित हैं जिसमें थॉयराइड और डॉयबिटीज प्रमुख हैं और इसकी वजह सिर्फ और सिर्फ बिगड़ा खानपान है। आजकल रोजाना फल का सेवन करने वालों की संख्या न के बराबर है। फास्ट फूड पर निर्भर रहने वाला आज का युवा जरा सी समस्या पर भी डॉक्टर के पास पहुंच जाता है और दवा खाना शुरु कर देता है फिर उसका आदी हो जाता।

कार्यक्रम के चौथे सत्र में डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति डॉ अरविंद दीक्षित ने युवाओं से संवाद करते हुए बताया कि आज पूरा विश्व अर्थ को कैसे बचाएं इस समस्या से जूझ रहा है लेकिन आप अपने निरंतर प्रयत्न से उसमें योगदान दे सकते हैं। स्वामी विवेकानंद हमारे मार्गदर्शक है जो स्वंय परिवार का भाव लेकर आगे चले और सभी का उन्होंने राह सुझाई। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया।

'यूथ आइकन' हुए सम्मानित – कार्यक्रम के समापन अवसर पर उत्तर प्रदेश के खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेन्द्र तिवारी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले यूथ आइकन को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले यूथ आइकन में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता पूनम विश्नोई, कृषि क्षेत्र में फर्रुखाबाद के ध्रुव सिंह राजपूत, जल संरक्षण हेतु जालौन के राम कुमार सिंह, नैतिक शिक्षा में सोनभद्र के अवध बिहारी, समाजसेवा हेतु सिद्धार्थनगर के अविनाश उपाध्याय, फिरोज़ाबाद से पर्वतारोही अनिल कुमार सहित डिजिटल ग्राम की स्थापना हेतु सुल्तानपुर के विपिन कुमार आदि शामिल थे।

एकांकी के माध्यम से दिया संदेश

बी.बी.डी. विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में वन एक्ट प्ले प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र संगठन के कार्यकारी निदेशक अरूण कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

आज के प्रथम मंचन में जम्मू एवं कश्मीर के युवाओं ने जंग–ए–कश्मीर की एकांकी में बताया आतंकवादी किस प्रकार भोले–भाले युवाओं को डरा धमका कर तथा उनके माता–पिता एंव परिवार को यातनाएं देकर जाति व धर्म के नाम पर उन्हें देश विरोधी गतिविधियों में ढ़केल देते है और उनका जीवन बर्बाद कर देते है इसमें युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों दूर रह कर राष्ट्र की मुख्य धारा में रहने की शिक्षा दी। दादरा एवं नगर हवेली की टीम ने 'नीम हकीम खतरे जान' पर एकांकी में यह संदेश दिया की आजकल न सिर्फ अनपढ़ लोग बल्कि पढ़े लिखे लोग भी झाड–फूक और बाबाओं के चक्कर में पड़कर धन और जीवन दोनों की हानि कर लेते हैं।

कर्नाटक राज्य के युवाओं ने घोर कलयुग के बारे में मन्चन करते हुए कहा की राम, कृष्ण के आदर्श विचारो से हटकर हम रावण और कंस के विचारो से प्रभावित होकर गरीबी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, जातिवाद, नशाखोरी जैसी प्रवृत्तियों को छोड़कर एकजुट होकर कलयुग से नवयुग का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया। सिक्किम जो कि जैविक राज्य के नाम से जाना जाता है की ओर से 'ग्रो इण्डिया गो ग्रीन' नामक एकांकी में अपने प्राकृतिक सौन्दर्य/संसाधनों, पानी और पर्यावरण के साथ–साथ स्वच्छता पर भी जोर दिया।

इसमें दर्शाया गया के अगर वृक्ष होंगे तभी पानी मिलेगा, तभी जीवन बचेगा। हम अधिक से अधिक पेड़ लगायें और जीवन बचाएँ का सन्देश दिया। केरल राज्य की ओर से सर्दी का मौसम–ड्रीम केरल में गरीबी, भुखमरी, किसानों की आत्महत्या और धनवानों के चुंगल में फंसे गरीबो को भी जीवन जीने की कला का सन्देश दिया। उड़ीसा के युवाओं ने एकांकी में बताया हम ढूंढते है शांति, अशांति हम खुद ही फैलाते हैं।

उत्तराखंड के युवाओं ने कलिंग विजय पर एकांकी प्रस्तुत करते हुए बताया कि अशोक के बढ़ते हुए सम्राज्य के दौरान कलिंग युद्ध में अथाह रक्तपात व नरसंहार के परिणामस्वरूप युद्धों के प्रति हुई विरक्ति अशोक के चरित्र द्वारा पूरे विश्व को प्रेम, भाई–चारे व मानवता का संदेश दिया और कहा कि सिर झुकाकर जय–जयकार करना, जयकार नहीं होती। यह धर्म और न्याय की लडाई है विजय वो होती है जिसमें दूसरों का सिर ऊंचा हो।

एकांकी में मणिपुर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, आंध्र प्रदेश, गुजरात, गोवा, हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, पुड्डूचेरी, जम्मू कश्मीर, दादर एवं नगर हवेली, कर्नाटक, सिक्किम, केरल, उड़ीसा, उत्तराखंड कुल 21 राज्यों ने एकांकी मंचन किया।

वन एक्ट प्ले प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के जज डा. विश्वरमन निर्मल, अजय मनचंदा और ललित सिंह पोखारिया रहें। कार्यक्रम का संचालन किरन शर्मा ने किया तथा कार्यक्रम के समापन पर वन एक्ट प्ले के ऑडिटोरिया इन्चार्ज राजेश कुमार जादोन ने उपस्थित टीमों, अतिथियों जजो, बी.बी.डी. के सहयोगियों और राज्य सरकार के सहयोगी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं युवा स्वयंसेवकों का धन्यवाद किया।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ कल की ओर...

फिट यूथ फिट इंडिया

Vol. 23/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Thursday, 16 January, 2020

वक्तृत्व कला प्रतियोगिता
समाज और पर्यावरण के मुद्दों पर युवा हुए मुखर

मार्स सभागार में एलोक्यूशन प्रतियोगिता हुई। जिसमें अहिंसा की प्रासंगिकता, बच्चों के भविष्य को कैसे सुरक्षित करें, धर्म निरपेक्षता, पंचायती राज, परिवार ही पहला स्कूल, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन सहित समाज, पर्यावरण और देश के विभिन्न विषयों पर 18 राज्यों के युवाओं ने वक्तृत्व कला प्रतियोगिता में अपने उदगार व्यक्त किये। बिहार के अब्दुल रज्जाक ने 'हमारे बच्चे का भविष्य कैसा हो' विषय पर कई तरह की चिंताओं को दर्शाया। युवाओं की पढाई के साथ–साथ रचनात्मक गतिविधियों पर जोर देते हुए अपनी बात कहीं।

तमिलनाडु से पीसा ने 'रोल मॉडल पर' स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को सम्मुख रखते हुए भारत के महारथियों को रोल मॉडल बताते हुए राष्ट्र के विकास के लिए बात कही। कर्नाटक से वैष्णवी सिलवारी ने 'अहिंसा की प्रासंगिकता' विषय पर अहिंसा परमो धर्म पर अपनी बात कही. केरल की रोहिणी ने 'परिवार ही पहला स्कूल' विषय पर बहुत ही खूबसूरत भावो को प्रकट किया। रोहिणी ने कहा अगर मेरा परिवार एक साथ रहे तो कोई परेशानी बड़ी नहीं लगती। सारी परेशानियों का सामना करना आसान हो जाता है. उन्होने उदाहरण देते हुए बताया कि जब निर्जीव चीजें एक हो सकती है तो हम क्यों नहीं हो सकते है. इंसान को भाईचारे में रहना बेहतर है।

हरियाणा से कुमार भानु शर्मा ने 'पंचायती राज' विषय पर अपनी बात रखी. हिमाचल प्रदेश से स्वाति धोते, छत्तीसगढ़ की प्रियंका मिश्रा, राजस्थान के कार्तिकेय शर्मा, पंजाब के सहस, झारखंड के अंकित कुमार, गोवा से समीर, दिल्ली से रिचल मल्होत्रा, तमिलनाडु के वैशना, उत्तर प्रदेश में मो. शरीफ, कर्नाटक से वैष्णवी, गुजरात से भलानी, बिहार से हमीद रजा ने अपनी बात कही. मणिपुर से थजिंगो सिंह, ओडिशा से तनु अग्रवाल और सिक्किम से संजय रॉय पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के बारे में अपनी चिंता को बताया। इस कार्यक्रम के अशोक बनर्जी, डॉ सुमन कुमार जज रहे. सुधीर कुमार कपूर आदि जज कमेटी में थे। बिक्रम सिंह गिल नोडल अधिकारी, तजमुल्ल आरा मार्स इंचार्ज सभागार, नितिन सहायक सभागार, सुभाषिनी राज्य अधिकारी, शमीम गाजी मौजूद रहे।

Kalpana Patowary: a heart throbbing singer

Kalpana Patowary the famous folk singer from Assam. Her tremendous voice mesmerized her audience whenever She sings. She came at Swami Vivekananda Hall in Indira Gandhi Pratisthan on the occasion of 23rd National Youth festival held at UP.

Though she can sing in 30 languages spontaneously other than her mother tongue she herself likes to sing in Bhojpuri. Her Bhojpuri performance in the Swami Vivekananda Hall in Indira Gandhi Pratisthan fascinated her audience. The songs she sang in Indira Gandhi Pratisthan were full of energy. The spontaneous up and down of her drew the attention of the audience.

The gorgeous attire and the way of her presentation of songs attracted the attention of the whole audience.

अभिनन्दन

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ
कल की ओर...

फिट यूथ
फिट इंडिया

Vol. 23/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Thursday, 16 January, 2020

Voice of Youth

Dindo Peter who hails from Arunanchal Pradesh is a National Youth Volunteer from NYKS, Itanagar. What he paints today is a night scene where a mother elephant is looking after her young calf. Peter tells us that he is traveled out of his district from the first time and is absolutely elated to be a part of such a prestigious event. He hopes to win the prize and carry little gifts from Lucknow back to his family and friends.

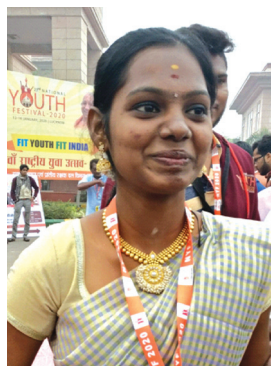

Bharati from Tamil Nadu is seen celebrating the festival of Pongal with her team mates. The whole team is performing Goomiya Dance which she tells is of mythological origin. The dance is performed on happy occasions such as that of Pongal today. She is elated to teach her fellow participants the local dance and the whole group is seen dancing to the tunes of claps and clicks!

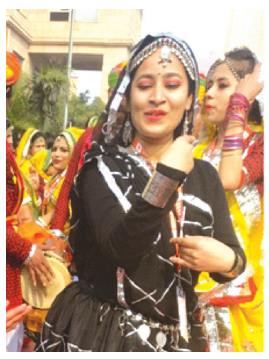

Abhipriya from Rajasthan is dancing to the tunes of 'Kalyo Kood Padyo Mele Mein' of the Kalbelia dance practiced by the indigenous tribes of Rajasthan by the same name. Abhipriya who is travelling out of her state for the first time is amazed by the courteousness of Lucknow and promises to take back the 'tehzeeb' and 'kayda' of the city.

Abhinaiya alias Uma who is studying in standard 10th has come to North India for the first time. For her, National Youth Festival is a lifetime opportunity which she gets due to the efforts of her group leader and that of the Nehru Yuva Kendra Sangathan.

Prachi from Haryana is performing the traditional Dhamal dance of Haryana. Prachi who hails from Mahendra Garh District, tells us that during the dance women carry Shuntis or sticks of medium length, wrapped with tinsel and tasseled at both ends. In the beginning they invoke goddess Bhavani to seek blessing then Lord Brahma and Lord Ganesha. She is happy visiting Lucknow for the NYF 2020 and is thankful to her parents and teachers with whose blessing she was able to be a part of such a prestigious event.

Balamurugan from Poornnakuppam, Pondicherry is seen playing the Nadaswaram. It is 3ft double reed wind instrument and is among the world's loudest non-brass acoustic instruments'.

Bala tells us that it is a real delight coming to the NYF 2020 where he gets a chance to witness different cultures form all states. He specially enjoys the 'Moradabadi dal' in the Food Festival.

T. Khamliem Lal hails from Chunachapur district of Manipur and is travelling to Uttar Pradesh for the first time. He recalls the law and order situation and frequent sectoral turmoils in his district. He hopes that festivals like the NYF help in building a relationship of fraternity and common brotherhood among the participants so that they are able to collectively resolve situations like these in his district as well as the whole country.

Pruthvi Patel from Dadar and Nagar Haveli is participating in the Folk Dance competition and is performing the Gujarati Raas along with his fellow participants. The dance form revolves around the story of Radha and Krishna in the mystic setup of Vrindavan. Recalling the lyrics of his dance, Krishna plays the flute to which all the forces of nature dance to his tunes.

Dharmaraj from Pondicherry playing Thavil Instument which is a type of drum. Dharam wishes everyone a Happy Pongal, a festival which is the harbinger of good luck and fortune.

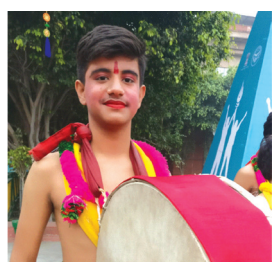

Aditya who has come to participate in the festival is practicing the dance for Dhol Cholam. Dhol is a huge drum like instrument played with sticks covered with cloth. Cholam mean 'to walk.' So Dhol Cholam literally means to play the drum while walking. Aditya tells us that, Dhol Cholam is a group dance done by Meity community. The community are followers of Vaishanavims and the dance is done as a devotion to Lord Krishna.

युवाओं की आवाज़

राष्ट्रीय युवा उत्सव पर प्रतिभागियों के अभिमत

अपना डाँस दिखाकर एवं अन्य प्रदेशों के डाँस देखकर अच्छा लगा। यह अलग अनुभव था।
– संगीता, बरिया, आशिका (सिक्किम)

यहाँ अनेकता में एकता के दर्शन हुए। बहुत से लोगों से मिलना हुआ। अब हमेशा उनसे संपर्क रहेगा।
– प्रगति, सोनिया, प्रियंका (हिमाचल प्रदेश)

यहाँ पूरा देश एक साथ देख लिया। बहुत से मित्र बने। यहाँ किया गया प्रदर्शन हमेशा याद रहेगा।
– सदानंद गोप, गुलाब सिंह (झारखंड)

हजारों युवाओं के साथ रहने का पहला अनुभव था। लगा ही नहीं कि कुछ अलग है। कुछ करने का दृढ़ निश्चय लेकर जा रहे हैं।
– ट्विंकल एवं दिव्या (उत्तराखंड)

यहाँ का खाना, व्यवस्थाओं में लगे लोग, बहुत सारे युवाओं से मेल–जोल, सबको अपने बारे में बताना, सबके बारे में जानना, युवा महोत्सव में बहुत कुछ देखा एवं सीखा।
– हैरोजति, विद्यापति (मणिपुर)

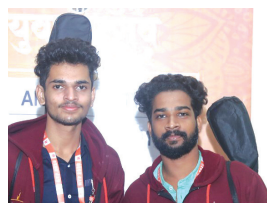

वन्डरफुल... वन्डरफुल!
एक भारत, श्रेष्ठ भारत!
फिट यूथ फिट इंडिया।
– आगम्स, जिनदार (केरल)

सौ बातें थीं मन में। यहाँ आकर उनमें से अनेक का अपने आप समाधान हो गया। हमारा देश बहुत ही खूबसूरत हैं।
– पूजा, सुमन, पायल, प्रिया (उत्तर प्रदेश)

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ
कल की ओर...

फिट यूथ
फिट इंडिया

Vol. 23/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Thursday, 16 January, 2020

Folk Dance :The unstoppable beat from the nooks of India!

The 4th day of National Youth Festival, 2020 continued its energetic grasp in the Folk Dance competition. The Jupiter Auditorium of Indira Gandhi Pratishthan witnessed the bang on folk dance Performances by 8 states in Delhi, Dadra & Nagar Haveli, Tamil Nadu, West Bengal,Andhra Pradesh,Odissa, Goa and Sikkim. This Yuva Sangam left no stone unturned to prove their mettle.

The first performance was of the Team Delhi who represented the 'Dhol Cholom' folk dance- a drum dance of Manipur . The power packed performance by Delhi boys portrayed the delightful and soulful traditional folk of Manipur particularly performed during the Holi Festival.

Next mesmerising performance was of Team Dadra and Nagar Haveli who performed Ras Leela

illustrating the story of Krishna-Radha Ras Leela is a form of devotional illustration dedicated to Krishna's story, particularly to his childhood and amorous youth. The colorful dresses and Dandiya khel by this team made the ambience glittering.

Team Tamil Nadu caught the wide attention by performing 6 different folk dances all at a one go. These folk dances included, Kokkalikattai Attam, Mayil Attam, Kavadi Attam, Poikkal kudirai Attam, Kazhiyal Attam, & Karakattam. The coordination and formation of team Tamil Nadu was highly appreciated and received great applause from the audience.

Team West Bengal represented their beautiful folk dance, 'Kando Jale Kutha Hoye' that made the audience feel different.

A participant named Mampi Bera from the team West Bengal expressed her excitement and says-" It is wonderful opportunity for us to represent our culture on this vast platform . It feels so amazing to unite with the youths of every state and having a deep look on beautiful cultures of India."

The charismatic representation of Andra Pradesh of Goan folk dance known as Divlyanchi Nach (Lamp Dance) left the audience with widened eyes. This folk dance is performed during Shigmo festival. In this dance the dancers balance heavy brass lamps with burning wicks on their heads.

In this competition, The tribal folk dance came from the land of Chilika lake, Odissa gave an incredible mark. Team Odissa's astounding performance becomes the centre of attraction. They represented Dhimsa tribal folk in, 'Bhatra dhimsa Folk dance', which is a major Adivasi folk dance performed by the tribal farmers for their own entertainment in the evening. The unique tribal costumes and makeup of team odissa were eye-catching.

Team Goa 'Talgadi Folk dance' performance made the audience dance on its beat. Talgadi Folk dance is the popular folk dance of Goa. This carefree and joyful dance with amazing attire is performed during the festival of spring seasons.

At the end, Team Sikkim gave a rocking performance by representing Bhurwa silli- a folk dance performed by Rai community who are the largest community in Sikkim and major worshippers of nature. Bhurwa Silli is basically performed during the Sakiva festival.

This folk dance competition was judged by Ms. Renu Srivastava, Ms. Papiah Desai and Ms. G. Kalai Vani. International Table Tennis Player, Geeta Tandon Kapoor also marked her prominent presence in this event.

This event left a sparkling imprint in the mind of the audience with a combination of Musical instruments, colorful dresses, props and synchronised rhythm. In addition, this event unified different folk cultures on a single platform.

संरक्षक : असित सिंह, महानिदेशक, नेहरु युवा केन्द्र संगठन, मार्गदर्शन : ले. कर्नल अरुण कुमार सिंह, कार्यकारी निदेशक, जे.पी.एस. नेगी, निदेशक, वीरेन्द्र खत्री, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय युवा उत्सव 2020
संपादकीय टीम : डॉ. भुवनेश जैन, नोडल अधिकारी (मीडिया), राष्ट्रीय युवा उत्सव 2020, नंदिता भट्टाचार्य, सहायक नोडल अधिकारी (मीडिया) अरविन्द श्रीधर, विकास तिवारी, अनन्या सिंह, सहयोगीः संतोष पाण्डेय, राम कुमार शर्मा, विशाल, राकेश, नीरज ओझा

Published by The Media Wing, Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi. | www.nyks.nic. | E-mail: medianyf2020@gmail.com
Printed by Tanveer Technographics, Lucknow.